**शैक्षिक सत्र–2025–26**
**(6) ट्रेड–टेक्सटाइल डिजाइन**
**कक्षा–12**

**उद्देश्य––**

(1) विद्यार्थियों को टेक्सटाइल डिजाइन से सम्बन्धित रोजगार की जानकारी देना।

(2) विद्यार्थियों को बुनने, रंगने और छापने की विधियों व तरीकों से अवगत कराना।

(3) शासकीय और अशासकीय टेक्सटाइल डिजाइन उद्योग से सम्बन्धित पदों हेतु कुशल कर्मकारों का निर्माण करना।

(4) इस उद्योग के द्वारा विद्यार्थियों को खेल–खेल में कार्य सिखाना एवं कार्य के प्रति एकाग्रता उत्पन्न करना।

(5) व्यावसायिक कोर्स पूरा करने के बाद विद्यार्थी इस योग्य हो जायें कि वह स्वतः रोजगार स्थापित कर सकें।

(6) विद्यार्थियों का विषय क्षेत्र में इस योग्य बनाना कि उसमें अपने ज्ञान, कौशल, अनुभव के आधार पर किसी विषय या विभिन्न रोजगारों को स्वतः संचालित करने की क्षमता का विकास हो सके।

**रोजगार के अवसर––**

(1) टेक्सटाइल डिजाइन की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् छात्र कताई–बुनाई, रंगाई व छपाई से सम्बन्धित लघु उद्योग धन्धें भी स्थापित कर सकता है।

(2) स्वतः उत्पादित वस्तुओं की पूर्ति कर सकता है।

(3) इस लघु उद्योग के द्वारा बेरोजगार लोगों को रोजगार प्राप्त हो सकता है।

(4) व्यावसायिक शिक्षा हेतु प्रशिक्षित शिक्षकों को उपलब्धि हो सकती है।

(5) उपभोक्ता की रुचि के अनुसार नये डिजाइन तैयार कर सकता है।

**पाठ्यक्रम––**

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा :

| | पूर्णांक | | उत्तीर्णांक | |
|---|---|---|---|---|
| **(क) सैद्धान्तिक––** | | | | |
| प्रथम प्रश्न–पत्र | 60 | 300 | 20 | 100 |
| द्वितीय प्रश्न–पत्र | 60 | | 20 | |
| तृतीय प्रश्न–पत्र | 60 | | 20 | |
| चतुर्थ प्रश्न–पत्र | 60 | | 20 | |
| पंचम प्रश्न–पत्र | 60 | | 20 | |
| **(ख) प्रयोगात्मक––** | | | | |
| आन्तरिक परीक्षा | 200 | 400 | 200 | |
| वाह्य परीक्षा | 200 | | | |

**नोट––**परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम
**प्रथम प्रश्न–पत्र**
**(गृह विज्ञान का सामान्य ज्ञान)**

(1) व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता एवं लाभ–– 20

––विकासशील भारत की आवश्यकतायें, आकांक्षायें और अपेक्षाओं के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था में व्यावसायिक शिक्षा का स्थान। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा का महत्व।

––व्यावसायिक शिक्षा से छात्र, समाज एवं देश को लाभ।

––समाज के गुणात्मक सुधार को सुनिश्चित करने हेतु पुरुष और स्त्री दोनों समान भागीदारी के निर्णय लेने और स्त्रियों की शिक्षा और आर्थिक स्वतन्त्रता के अवसर। रोजगार ढूंढने वाले और रोजगार के अवसरों के बीच असन्तुलन उत्पन्न करती जनसंख्या वृद्धि का ज्ञान।

––मानव मूल्य के साथ–साथ परिवार की खुशी और समाज कल्याण हेतु भविष्य के लिए मौलिक और भावात्मक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना।

(2) स्वास्थ्य वर्धक भोजन की जानकारी–– 20

——भोजन के विभिन्न तत्व, उनकी आवश्यकता, प्राप्ति के स्रोत और कमी से होने वाले रोग।

——जीवन के विभिन्न अवस्था में भोजन की आवश्यकता, प्रकार एवं मात्रा, शिशु, बालक, स्त्री, पुरुष, वृद्धावस्था, गर्भावस्था, धात्री माँ, रोगी, श्रमिक, किसान आदि।

(3) आत्मनिर्भर बनाकर व्यवसाय द्वारा किये जाने वाले स्वरोजगार या विभिन्न कार्य क्षेत्रों में सार्वजनिक रोजगारों के अवसरों का ज्ञान। 20

अपने क्षेत्र में प्राप्त कच्ची वस्तुओं और उनसे निर्मित पदार्थों जिसका अन्य स्थानों में अधिक मूल्य का ज्ञान।

## (द्वितीय प्रश्न—पत्र)
## (टेक्सटाइल डिजाइन)
## (प्रारम्भिक डिजाइन)

(1) विभिन्न प्रकार के डिजाइनों का विश्लेषण। 10

(2) परिप्रेक्ष्य के सिद्धान्त एवं वर्गीकरण। 10

(3) प्रारम्भिक टेक्सटाइल डिजाइन——उत्पत्ति एवं विभिन्न प्रकार की छपाई एवं बुनाई। 10

(4) विभिन्न प्रान्तीय डिजाइनों का अध्ययन——कढ़ाई, छपाई एवं बुनाई। 20

(5) विभिन्न प्रकार के प्लेसमेन्ट और उनका प्रयोग। 10

## तृतीय प्रश्न—पत्र
## (वस्त्रों के रेशे व कपड़ा निर्माण)

(1) विभिन्न प्रकार की प्रिटिंग की विधि : 10

साधारण प्रिटिंग,

डिस्चार्ज प्रिटिंग (आक्सीकरण व रेडक्शन द्वारा),

रोलर, प्रिटिंग (चूनी और मल्टी रोलर) विधि——लाभ—हानि, स्क्रीन प्रिटिंग विधि एनामल (फोटो ग्राफिक), विभिन्न प्रकार के ब्लाक एवं सामग्री।

(2) डाई का वर्गीकरण——डायरेक्ट, बेसिक सल्फर, वैट, डाईज ऐक्टर, डिस्पर्स, नेपथाल/क्रीम डेक्लब्ध डायरेक्ट डाईरिपमेन्ट। 10

(3) विभिन्न डाई की विभिन्न कपड़ों हेतु उपयोगिता। 10

(4) थिकनिंग एजेन्ट्स के बारे में सामान्य ज्ञान। 10

(5) टेक्सटाइल रसायन और फाइबर सांइस का प्रारम्भिक ज्ञान। 10

(6) रंग फेड (फीका) होने के कारण। 10

## चतुर्थ प्रश्न—पत्र
## (टेक्सटाइल क्राफ्ट)

(1) बुनाई का उपकरण। 10

(2) विभिन्न राज्यों की कढ़ाई का अध्ययन। 10

(3) छपाई का इतिहास एवं उत्पत्ति——बांधनी, ब्लाक वाटिक, स्क्रीन, हैण्ड पेन्टिंग, छपाई का महत्व, छपाई की विधियों के गुण व दोष। 15

(4) बुनाई——विभिन्न प्रकार के धागों का विस्तार से वर्णन। सब्जियों द्वारा, पशु द्वारा, खनिज द्वारा 15

कृत्रिम विभिन्न धागों की जांच करना।

धागे——धागे सिंगिल, यार्न, प्लाई, फैन्सी यार्न।

टेबुल लूम और पेडल लूम की विशेषतायें।

विभिन्न प्रारम्भिक बुनाई ग्राफ पेपर पर बनायें।

(5) कपड़ा निर्माण का विस्तृत वर्णन। 10

## पंचम प्रश्न—पत्र
## (वस्त्र निर्माण इकाई का प्रबन्ध——नौकरी प्रशिक्षण)

(1) छात्रों का रोजगार के स्थान पर प्रशिक्षण। 15

(2) वस्त्र निर्माण इकाई का बजट निर्माण। 15

(3) वस्त्र निर्माण इकाई की योजना बनाना। 15

(4) विभिन्न प्रकार की इकाई का प्रभाव एवं रिपोर्ट। 15

## प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम
## (प्रयोगात्मक क्रिया–कलाप)

(क)

(1) काटन, सिल्क, ऊन की उपयुक्त डाई से रंगाई, वस्त्रों का चयन, सूती, दुपट्टा सिल्क स्कार्फ, ऊनी स्वेटर या कोट।
(2) सेम्पल फाइल।
(3) रोलर प्रिन्टिंग करने वाली फैक्ट्री में शैक्षिक भ्रमण।

(ख)

(1) डिजाइनों का निर्माण (छपाई)––
(क) लंचेन सेट, (ख) टावेल सेट, (ग) एप्रन, (घ) सोफे और पर्दे (पेपर वर्क)।
विषयः फूल–पत्तियां, ज्योमितीय फल और सब्जी, अमूर्त।
टेक्सचर––पशु–पक्षी, पतंग और गुब्बारे, खिलौने, अक्षर का संयोजन, हाथ की लिखाई, संगीत के उपकरण, नाव और जहाज, धारियां और चेक, समुद्री वृक्ष, शेल और मछलियां।
विधि––स्टेन्सिल, स्प्रे, डबिंग, हैण्ड प्रिन्टिंग, ब्लाक प्रिन्टिंग, स्क्रीन प्रिन्टिंग।
(2) बुनाई––उपर्युक्त डिजाइन का निर्माण बुनाई के लिये करें।

(ग)

(1) करघे का प्रयोग।
(2) प्रारम्भिक बुनाई को ब्लेज कागज पर बनायें––प्लेन, ट्वील, साटन।
(3) तीन प्रारम्भिक बुनाई द्वारा कपड़े का नमूना तैयार करना।
(4) (अ) कपड़े की छपाई (प्रत्येक की पांच रफ डिजाइन)।
विषय––पुष्प (पर्दे के लिये),
विधि––स्क्रीन प्रिन्टिंग,
कपड़ा––काटन–साटन,
रंग––दो या तीन,
स्थान––आल ओवर।
(ब) विषय––सेण्टर लाइन (टेबुल क्लाथ),
रंग कपड़ा––केसमेन्ट,
रंग––दो (आउट लाइन सहित),
विधि––ब्लाक प्रिन्टिंग।
(स) विषय––ज्यामिति डिजाइन परिधान के लिये
कपड़ा––सूती (फाइन खादी),
रंग––एक रंगीय,
प्लेसमेन्ट––हाफ ड्राप,
विधि––पेपर कट स्क्रीन।
(द) विभिन्न राज्यों की कढ़ाई।

(घ)

(1) टेक्सटाइल इण्डस्ट्री छोटी–बड़ी बुनाई, ड्राइंग, प्रिन्टिंग, स्पिनिंग, उद्योग स्थानों का भ्रमण।
(2) इण्डस्ट्रीज की प्रोजेक्ट रिपोर्ट (प्रत्येक छात्र को बनाना है)।
(3) वर्क पोर्ट फोलियो को बनाना और दिखाना, बुनाइ एवं करघे के लिये।

नोट––(1) प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
(2) प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु 10 घंटे का समय निर्धारित है।

### प्रयोगात्मक परीक्षा की रूप–रेखा

**(1) वाह्य परीक्षा––**
परीक्षार्थियों को चार प्रयोग दिये जायेगें––
(क) प्रारम्भिक डिजाइन (बड़ा प्रयोग)।
(ख) टेक्सटाइल क्राफ्ट (बड़ा प्रयोग)।
(ग) वस्त्रों के रेशे व कपड़ों का निर्माण।
(घ) वस्त्र निर्माण, इकाई का प्रबन्ध (छोटा प्रयोग)।

**2––सतत् आन्तरिक मूल्यांकन––**
(क) सत्रीय कार्य,

(ख) कार्य स्थल पर प्रशिक्षण।

संस्तुत पुस्तकें––

| क्रमांक | पुस्तक का नाम | लेखक का नाम | प्रकाशक का नाम एवं पता | मूल्य |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | | | | रुपया |
| 1 | वस्त्र विज्ञान के मूल सिद्धान्त | जे0 पी0 शेरी | विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा | 20.00 |
| 2 | वस्त्र विज्ञान एवं परिधान (तृतीय संस्करण) | प्रो0 प्रमिला वर्मा | युनिवर्सल बुक डिपो, लखनऊ | 20.00 |
| 3 | हाउस होल्ड टैक्सटाइल | दुर्गादत्त | बुक कम्पनी, नई दिल्ली | 75.00 |
| 4 | भारतीय कसीदाकारी | श्रीमती शिन्दे एवं कु0 पंडित | प्रकाशन निदेशालय, गोविन्द वल्लभ पंत, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, नैनीताल | 27.00 |
| 5 | Textile care and design Examlar Instructional material for Classes XI and XII. | N.C.E.R.T. New Delhi | N.C.E.R.T | 4-85 |